अनुक्रमांक : मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 08
नाम : .....

101 **2026** **301 (BF)**

हिन्दी

समय : 3 घण्टे, 15 मिनट **पूर्णांक : 100**

सामान्य निर्देश :

i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

ii) इस प्रश्न पत्र में दो खण्ड हैं, दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य हैं।

खण्ड – 'क'
(बहुविकल्पीय प्रश्न)

1. क) 'रानी केतकी की कहानी' के लेखक हैं – **(1)**

(i) मुंशी सदा सुखलाल

(ii) इंशा अल्लाहखाँ

(iii) राजा लक्ष्मण सिंह

(iv) श्रद्धा राम फिल्लौरी

ख) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र द्वारा प्रकाशित पत्रिका है – **(1)**

(i) 'कल्पना'

(ii) 'सरस्वती'

(iii) 'कवि वचन सुधा'

(iv) 'हिन्दी प्रदीप'

ग) खड़ीबोली की गद्य की प्रथम रचना है – **(1)**

(i) 'गोरा बादल की कथा'

(ii) 'कृष्णावतार स्वरूप का निर्णय'

(iii) 'वर्ण रत्नाकर'

(iv) 'भाषा योगवाशिष्ठ'

घ) 'रसकलश' कृति के रचयिता हैं – **(1)**

(i) जगन्नाथ दास 'रत्नाकर'

(ii) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

(iii) मैथिली शरण गुप्त

(iv) सियाराम शरण गुप्त

ङ) 'वेदना की प्रतिमूर्ति' किस कवयित्री को कहा जाता है ? **(1)**

(i) लक्ष्मीबाई को

(ii) मैत्रेयी पुष्पा को

(iii) महादेवी वर्मा को

(iv) सुभद्राकुमारी चौहान को

3. निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश के नीचे अंकित पाँचों प्रश्नों के उत्तर दीजिए । $(5 \times 2 = 10)$

भाषा को साधारण इकाई शब्द है । शब्द के अभाव में भाषा का अस्तित्व दुरुह है । यदि भाषा में विकासशीलता शुरू होती है, तो शब्दों के स्तर पर ही दैनंदिन सामाजिक व्यवहारों में हम कई ऐसे नवीन शब्दों का इस्तेमाल करते हैं, जो अंग्रेजी, अरबी, फारसी आदि विदेशी भाषाओं से उधार लिये गए हैं । वैसे ही नये शब्दों का गठन भी अनजाने में अनायास ही होता है । ये शब्द, अर्थात् उन विदेशी भाषाओं से सीधे अविकृत ढंग से उधार लिये गए शब्द, भले ही कामचलाऊ माध्यम से प्रयुक्त हों, साहित्यिक दायरे में कदापि ग्रहणीय नहीं ।

(i) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए ।

(ii) भाषा की साधारण इकाई क्या है ?

(iii) भाषा का अस्तित्व किसके अभाव में दुरुह है ?

(iv) दैनिक जीवन में व्यवहार में प्रयोग किए जानेवाले नवीन शब्द कहाँ से लिये गये हैं ?

(v) विदेशी भाषाओं से उधार लिये गये शब्दों की क्या स्थिति होती है ?

अथवा

वह दूसरों की निन्दा करके ऐसा अनुभव करता है, कि वे सब निकृष्ट हैं और वह उनसे अच्छा है । उसके अहं की इससे तुष्टि होती है । बड़ी लकीर को कुछ मिटाकर छोटी लकीर बड़ी बनती है । ज्यों – ज्यों कर्म क्षीण होता है, त्यों त्यों निंदा की प्रवृत्ति बढ़ती जाती है । कठिन कर्म ही ईर्ष्या, द्वेष और उनसे उत्पन्न निंदा को मारता है । इन्द्र बड़ा ईर्ष्यालु माना जाता है, क्योंकि वह निठल्ला है । स्वर्ग में देवताओं को बिना उगाया अन्न, बे बनाया महल और बिना बोये फल मिलते हैं । अकर्मण्यता में उन्हें अप्रतिष्ठित होने का भय बना रहता है ।

(i) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए ।

(ii) दूसरों की निन्दा करके व्यक्ति क्या अनुभव करता है ?

(iii) निंदा की प्रवृत्ति कब बढ़ती है ?

(iv) ईर्ष्या – द्वेष को कौन मारता है ?

(v) इन्द्र को लेखक ने किस रूप में प्रस्तुत किया है ?

4. निम्नलिखित में से किसी एक पद्यांश के नीचे अंकित पाँचों प्रश्न के उत्तर दीजिए । (2 + 2 + 2 + 2 + 2 = 10)

यही आता है इस मन में,
छोड़ धाम – धन जाकर मैं भी रहूँ उसी वन में ।
प्रिय के व्रत में विघ्न न डालूँ, रहूँ निकट भी दूर,
व्यथा रहे, पर साथ साथ हो समाधान भरपूर ॥
हर्ष डूबा हो रोदन में,
यही आता है इस मन में ।

(i) कविता का शीर्षक और रचनाकार का नाम लिखिए ।

(ii) वियोगिनी क्या छोड़ने की बात कह रही है ?

(iii) वियोगिनी कहाँ रहने की बात करती है ?

(iv) किसके व्रत में विघ्न न डालने की बात कह रही है ?

(v) 'व्यथा रहे पर साथ साथ समाधान भरपूर' का आशय स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

मृदुल होठों का हिमजल – हास
उड़ा जाता नि:श्वास समीर;
सरल भौंहों का शरदाकाश
घेर लेते घन, घिर गंभीर ।
शून्य साँसों का विधुर – वियोग
छुड़ाता अधर मधुर संयोग,
मिलन के पल केवल दो, चार,
विरह के कल्प अपार !

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) वृद्धावस्था की गहरी साँसें किसे उड़ा देती हैं ?

(iii) 'मिलन के पल केवल दो चार' में कौनसा अलंकार है ?

(iv) इस पद्यांश में कौनसा रस है ?

(v) रेखांकित पंक्तियों की व्याख्या कीजिए ।

5. क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए । (3 + 2 = 5)

(i) डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी

(ii) डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम

(iii) जैनेन्द्र कुमार

ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का जीवन परिचय देते हुए उसकी साहित्यिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । (3 + 2 = 5)

(i) जगन्नाथ दास 'रत्नाकर'

(ii) जयशंकर प्रसाद

(iii) रामधारी सिंह 'दिनकर'

6. 'पंचलाइट' अथवा 'कर्मनाशा की हार' कहानी के मुख्य पात्र का चरित्र चित्रण कीजिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) (5)

अथवा

'बहादुर' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए । (5)
(अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

क) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के किसी एक प्रमुख घटना का उल्लेख कीजिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'श्रीकृष्ण' का चरित्रांकन कीजिए ।

ख) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य में प्रस्तुत श्रवण कुमार के चरित्र की विवेचना कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' के अभिशाप सर्ग की प्रमुख घटनाएँ लिखिए ।

ग) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर युधिष्ठिर का चरित्र चित्रण कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की विशेषताएँ लिखिए ।

घ) 'आलोक वृत्त' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का उल्लेख कीजिए ।

अथवा

'आलोक वृत्त' के आधार पर उसके नायक का चरित्रांकन कीजिए ।

ङ) 'मुक्तियज्ञ' में वर्णित राजनैतिक घटनाओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

च) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'त्यागपथी' के आधारपर हर्षवर्धन के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए ।

खण्ड – 'ख'

8. क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांश का सन्दर्भसहित अनुवाद कीजिए । (2 + 5 = 7)

त्रयोदशवर्ष प्रापवतोऽस्य मूलशंकराय पिता शिवरात्रि व्रतमाचरितुम् अकथयत् । पितुराज्ञानुसारं मूलशंकर: सर्वमपि व्रत विधानमकरोत् रात्रि शिवालये स्वपित्रा समं सर्वान् निद्रितान् विलोक्य स्वयं जागरितोऽतिष्ठत् शिवलिङ्गस्य चोपरि मूषिकमेकमितस्त: विचरन्तं दृष्ट्वा शङ्कितमानस: सत्यं शिवं सुन्दरं लोकशङ्करं शङ्करं साक्षात्कर्तुं हृदि निश्चितवान् ।तत: प्रभृत्येव शिवरात्रे : उत्सव: ऋषिबोधोत्सव: इति नाम्ना श्रीमद्दयानन्दानु यायिनाम् आर्यसमाजिनामन्ध्ये प्रसिद्धोऽभूत् ।

अथवा

हिन्दी – संस्कृताङ्ग्लभाषासु अस्य समान: अधिकार: आसीत् । हिन्दी – हिन्दुहिन्दुस्थानानामुत्थानाय अयं निरन्तरं प्रयत्नमकरोत् । शिक्षयैव देशे समाजे च नवीन: प्रकाश: उदेति, अत: श्रीमालवीय: वाराणस्यां काशी विश्वविद्यालयस्य संस्थापनमकरोत् ।अस्य निर्माणाय अयं जनान् धनम् अयाचत जनाश्च महत्यस्मिन् ज्ञानयज्ञे प्रभूतं धनमस्मै प्रायच्छन्, तेन निर्मितोऽयं विशाल: विश्वविद्यालय: भारतीयानां दानशीलताया : श्रीमालवीयस्य यशस: च प्रतिमूर्तिरिव विभाति ।

ख) निम्नलिखित श्लोकों का सन्दर्भसहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए । (2 + 5 = 7)

अत्यन्त – सुख – सञ्चारा मध्याह्ने स्पर्शत: सुखा: ।
दिवसा: सुभगादित्या: छायासलिलदुर्भगा: ॥

अथवा

सहसा विदधीत न क्रियामविवेक: परमापदां पदम् ।
वृणुते हि विमृश्यकारिणं गुणलुब्धा: स्वयमेव सम्पद: ॥

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए । (2 + 2 = 4)

क) खलस्य विद्या किमर्थं भवति ?

ख) नृप: दिलीप: कीदृश: शासक: आसीत् ?

ग) वसन्तकाले वृक्षा: कीदृशा: भवन्ति ?

घ) का भाषा सर्वासु भाषासु प्राचीनतमा श्रेष्ठ अस्ति ?

10. क) 'शृंगार' रस अथवा 'हास्य' रस की परिभाषा देते हुए एक उदाहरण दीजिए । (1 + 1 = 2)

ख) 'उत्प्रेक्षा' अथवा 'अतिशयोक्ति' अलंकार की परिभाषा देते हुए एक उदाहरण दीजिए । (1 + 1 = 2)

ग) 'कुण्डलिनी' अथवा 'बरवै' छन्द की परिभाषा लिखिए एवं एक उदाहरण दीजिए । (1 + 1 = 2)

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए । (2 + 7 = 9)

क) पर्यावरण संरक्षण की चुनौतियाँ ।

ख) वर्तमान युग की दिशा और दशा ।

ग) जातिवादी जनगणना की प्रासंगिकता ।

घ) विद्यार्थी और राजनीति ।

ङ) भारत में किसानों की समस्या ।

12. क) i) सज्जन : का सन्धिविच्छेद है – (1)

अ) सत् + जन:

ब) सज् + जन:

स) सद् + जन:

द) स + जन:

ii) भानूदय : का सन्धिविच्छेद है – (1)

अ) भान + उदय:

ब) भानो + दय:

स) भानू + उदय:

द) भानु + दय:

iii) गीश्चरति में कौन सी सन्धि है ? (1)

अ) स्वर सन्धि

ब) विसर्ग सन्धि

स) दीर्घ सन्धि

द) व्यंजन सन्धि

ख) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द का विग्रह करके समास का नाम लिखिए । (1 + 1 = 2)

i) उपग्रामम्

ii) गदाहस्त:

iii) श्वेताम्बरं

13. छात्र बैंक में खाता खुलवाने के लिए एक प्रार्थना पत्र बैंक प्रबन्धक के नाम लिखिए । (2 + 6 = 8)

अथवा

निर्धन छात्र की आर्थिक सहायता हेतु छात्र सहायता कोष से सहायता हेतु विद्यालय के प्रधानाचार्य को एक आवेदन पत्र लिखिए ।

14. क) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द का प्रत्यय लिखिए । (1)

i) खादित्वा

ii) दृष्ट्वा

iii) पुत्रवती

ख) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द के धातु एवं प्रत्यय के योग को स्पष्ट कीजिए । (1)

i) गन्तव्य

ii) ज्ञात्वा

iii) दातव्य

ग) रेखांकित पदों में से किसी एक पद में प्रयुक्त विभक्ति एवं तत्सम्बन्धी नियम का उल्लेख कीजिए । (1 + 1 = 2)

i) तड़ागं परितः वृक्षाः सन्ति ।

ii) रामेण सह सीता वनम् गच्छति ।

iii) गंगा हिमालयात् निसरति ।